

समक्ष न्यायालय श्रीमान कमीश्नर जबलपुर संभाग जबलपुर

(एकल मध्यस्थ) मध्यप्रदेश

प्रकरण क्रमांक-

विधि 2994/I/15
2015

आवेदक उमादिलप शर्मा
अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत
प्रस्तुतकार वीर
26 AUG 2015
अधीनकार
आवेदक कमिश्नर जबलपुर संभाग

सुरेश कुमार गुप्ता वल्द स्व. श्री
मोहनलाल गुप्ता, निवासी- नया बस
स्टैण्ड, नदीपार कटनी म.प्र.

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण,
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
परियोजना निदेशक, परियोजना
क्रियान्वयन इकाई, जबलपुर (म.प्र.)

दिनांक 26.8.15 को
कमिश्नर-जबलपुर-2015
प्रस्तुत/ 26.8.15


आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 3जी (5) राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम
1956 एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संशोधन अधिनियम 1997

आवेदक सविनय निवेदन करता है कि:-

1. यह कि आवेदक की हक एवं स्वामित्व की भूमि मौजा
ग्राम- पुरैनी, प.ह.नं.40, तह. व जिला कटनी में स्थित भूमि
खसरा नं.68/1 रकवा 0.14 हेक्टेयर अर्जित की गई है।
2. यह कि भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (जिसे
इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है) कि धारा 3-ए, की
उपधारा-1 के अधीन जारी अभिसूचना के आधार पर फोरलेन
में उन्नयन फलस्वरूप प्रभावित भूमि एवं संरचनाओं का
मुआवजा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/भू-अर्जन अधिकारी
द्वारा प्रकरण क्र.1जी/अ-82/2011-12 में पारित अवाई
दिनांक 26.04.2013 को भूमि अधिग्रहित किया गया है।
3. यह कि, ग्राम पुरैनी स्थित भूमि खसरा नं.68/1 रकवा
0.14 भूमि को अधिग्रहित किये जाने की सूचना प्रेषित की
गई जो आवेदक को दिनांक 16.09.2013 को प्राप्त हुई
सूचना के माध्यम से रु. 7,70,000/- की मुआवजा राशि
निर्धारण किया जाना दर्शित है। उक्त मुआवजा निर्धारण किस
आधार पर किया गया है कोई विवरण दर्शित नहीं है, बिना
आवेदक की सुनवाई का अवसर दिये मनमाने तौर पर

वर्ग

9/9/2014-I/13 वर्गी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभि आदि के हस्त
23-9-15	<p>व्यक्तिगत पत्राची उत्तर के. सु. मही / प्रस्ताव अर्थात् तक देना</p> <p>दि. 24-9-15 आवक 2</p>	
24-9-15	<p>व्यक्तिगत सूचना पत्राची उत्तर श्री. सु. मही / गृह प्रस्ताव अर्थात् सहायक प्रमाणित कर का प्र सूचना इस प्रमाणित के प्र दिया जा रहा है। अतः इस प्रमाणित प्रति आपका उत्तर-आवक 2 की उपर प्रमाणित किया जाता है। प्रमाणित प्रमाणित प्रमाणित को।</p>	<p>श्री. सु. मही</p> <p>मूल को प्रमाणित</p> 